सालासर वाला हरियो विघन सब दूर भजन लिरिक्स

अंजनी के लाला,
हरियो विघन सब दूर,
सालासर वाला,
हरियो विघन सब दूर।bd।

सालासर थारो भवन बिराजे,
झालर शंख नगाड़ा बाजे,
नित उठ थारे नोबत बाजे,
चढ रहियो घीरत सिंदूर,
अंजनी के लाला,
हरियो विघन सब दूर।bd।

तुम बजरंगी हो रण मंडन,
मोटे पांव बड़े भुज डंडन,
दुष्ट मार के कर दिया खंडन,
कर दिया चकनाचूर,
अंजनी के लाला,
हरियो विघन सब दूर।bd।

रामचन्द्र के सार दिया काजा,
समन्दर ऊपर बांध दिया पाजा,
रावण सरिसा मार दिया राजा,
मुख पर बरसे नूर,
अंजनी के लाला,
हरियो विघन सब दूर।bd।

हनुमत ने संसार मनावे,
जिनका बेड़ा बाबो पार लगावे,
बद्रीलाल बिरामण गावे,
देवो विद्या भरपूर,
अंजनी के लाला,
हरियो विघन सब दूर।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अंजनी के लाला,
हरियो विघन सब दूर,
सालासर वाला,
हरियो विघन सब दूर।bd।

गायक – रामनिवास जी राव।
प्रेषक – सुभाष सारस्वा काकड़ा।
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com